घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर में आधुनिकतम 'फिलिप्स एफिनिटी-70' सोनोग्राफी व कलर डॉपलर मशीन स्थापित

अमरावती,प्रतिनिधि, 15 सितंबर – संपूर्ण मध्यभारत में अपनी सटीक रिपोर्ट, आधुनिक एवं सुरक्षित मशीनों से सुसज्जित डॉ. पंकज घुंडियाल के घुंडियाल रेडिओडायग्नोस्टिक सेंटर में अब एक और आधुनिकतम नामांकित अमेरिकन 'फिलिप्स ॲफिनिटि-70' मशीन जो कि सोनोग्राफी एवं कलर डॉपलर की सबसे उत्कृष्ट मशीन स्थापित की गई है. पिछले दो दशक से अमरावती ही नहीं, संपूर्ण मध्य भारत में हमेशा अग्रणीय और विख्यात डॉ. पंकज घुंडियाल एक बार फिर अल्ट्रा मॉर्डन इमेजिंग मॉडेलिटी मशीन के साथ त्रुटिरहित और सटीक रिपोर्टिंग के लिए 'फिलिप्स ॲफिनिटी-70' सोनोग्राफी एवं कलर डॉपलर मशीन लेकर आये हैं. यह मशीन मानव शरीर के विभिन्न अंगों की उच्चतम मानक के साथ जांच परख करने में सक्षम है.

इस मशीन द्वारा निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध रहेंगी

1. गर्भवती महिला की 4डी/5डी सोनोग्राफी

अ - **एन टी स्कॅन (Nuchal Translucency Scan)** गर्भावस्था के शुरु के दिनों में गर्भस्थ बच्चे के दोष का पता लगा लती है, जैसे डाउन्स सिंड्रोम

ब- **कन्जनाइटल अनॉमली स्कॅन :** गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क, हृदय, किडनी, रीढ़ की हड्डी, छाती, पेट, हड्डियां, हाथ-पैर आदि में उपस्थित दोष या खराबी बताती है. Cleft lip और Cleft Pallate का पता लगाना.

क- गर्भ में विकसित हो रहे भ्रूण का कलर डॉपलर

ड- भ्रूण की इकोकार्डियोग्राफी (हार्ट में दोष)

2. उच्चतम मानकों के साथ जांच परख

अ- छाती (वक्ष)की सोनोमॅमोग्राफी : कॅन्सर, हारमोन्स में बदल की वजह से होने वाली गांठ

ब- गले और थायराइड की सोनोग्राफी (ट्यूमर, लिम्फ नोड, सलाइवरी ग्रंथी, कैन्सर)

क- कूल्हा, घुटने, टखने, हड्डियां और मांसपेशी में गांठ या असामान्य वृद्धि की जांच

ड- पेरिफेरल डॉपलर- (हाथ और पैरों में खून ले जाने वाली धमनियों की जांच (वरीकोज वेन्स, डीप वेन थ्रंबोसेस, कोलेस्ट्रोल थ्रांबस)

फ- कॅरोटिड डॉपलर- दिल और ब्रेन को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में कोलेस्ट्रोल का थ्रांबस

ग- स्क्रोटम, टेस्टीज (पुरुषों में बांझपन, ट्यूमर, इन्फेक्शन, कॅन्सर, टॉरशन)

3. इलेस्टोग्राफी (अत्यधिक प्रगतिशील फाइब्रोस्कॅन)

अ- लिवर (फाइब्रोसिस/सिरोसिस)

ब- घातक और हानिकारक ट्यूमर की जांच (थॉयराइड/ब्रेस्ट ट्यूमर)

4. ट्रांसवजायनल और ट्रांसरेक्टल सोनोग्राफी

अ- प्रोस्टेट ग्रंथी का कॅन्सर

ब- गर्भपिशवी के दोष

क- बच्चेदानी के ट्यूमर-कॅन्सर, फाइबरॉइड

ड- PCOD

इ- फॉलीक्युलर/ओव्युलेशन स्टडी

5. पेट और पेलविस –

अ- पेट के अंगों का कलर डॉपलर

ब- किडनी का पॉवर और कलर डॉपलर (रिनल हाइपरटेंशन)

क- किडनी और पित्ताशय की पथरी की जांच

ड- उच्च रक्तचाप की जांच

6. 2-डी इकोकॉर्डियोग्राफी- गर्भस्थ भ्रूण का ईको, नवजात शिशु, बच्चे व बड़ों के हृदय के कक्षों, वॉल्व में दोष और हृदय के इंजेक्शन फ्रेक्शन का पता लगाना.

7. आंखों की सोनोग्राफी – (बी-स्कॅन) रेटिना (पर्दे) में रक्त स्त्राव, डिटेचमेंट, आंखों में बाह्य कणों का पता लगाना.

8. गर्भस्थ भ्रूण के चेहरे की जांच के लिए 4डी-5डी प्रोब

9. सोनोग्राफी की मदद से FNAC या बॉयोप्सी

10: सोनोग्राफी की मदद से इफ्युजन और फोड़े का ड्रेनेज

वर्ष 2002 में घुंडियाल रेडिओडॉयग्नोस्टिक सेंटर की शुरुआत राजापेठ, बडनेरा रोड स्थित स्माइल बेबी के नीचे हुई. सोनोग्राफी और एक्सरे से शुरुआत कर कुछ दिनों में सी.टी. स्कॅन और डिजीटल एक्स्रे की स्थापना की गयी.

वर्ष 2011 में मुधोलकर पेठ में भव्य विस्तृत और एअर कंडीशन इमारत में स्थानांतरण हुआ और साथ ही शहर की पहली ओपन एम.आर.आय, मॅमोग्राफी और ओपीजी मशीनें उपलब्ध कराई गयीं.

अपने ज्ञान को निरंतर विकसित करने हेतु और बदलती टेक्नोलॉजी से रूबरू होने के लिए डॉ. पंकज घुंडियाल नियमित रूप से सम्मेलनों में भाग लेते रहते हैं. अपने ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखते हुए वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर भी साझा करते हैं. सन् 2020 में लातुर में रेडियोलॉजी की राज्यस्तरीय व अहमदाबाद में राष्ट्रीय सम्मेलन में वे वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए थे. इतना ही नहीं अपने सेंटर के लिए हर 3-4 वर्षों में नई टेक्नोलॉजी के अनुरुप मशीनें खरीदते रहते हैं.

अपनी ओर से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक छूट देकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाते हैं.

यह हैं डॉ. पंकज घुंडियाल के रेडियोडाग्नोस्टिक सेंटर में उपलब्ध मशीनें

1- सीमेन्स (जर्मनी) की ओपन एम.आर.आई
2- सीमेन्स (जर्मनी) की मल्टीस्लाइस सी.टी. स्कॅन
3- सीमेन्स (जर्मनी) की 500 एम.ए. एक्सरे मशीन
4- फ्युजी (जापान) की डिजीटल लेजर एक्सरे
5- डिजिटल एक्सरे मॅमोग्राफी
6- ओपीजी और सेफेलोग्राफी
7- स्कॅनडॉक वर्कस्टेशन व टेलीरेडियोग्राफी
8- निमॅटो प्रेशर इंजेक्टर (जापान) से सी.टी. ऍन्जियोग्राफी (हाथ और पैर, ब्रेन कॅरोटिड) सी.टी. एओटोग्राफी
9- फ्युजी और एग्फा के लेजर कैमरा

चांदूर तहसील के 36 हजार मवेशी 'लंपी' की चपेट में

संवाददाता, 15 सितंबर

चांदूर बाजार- संपूर्ण महाराष्ट्र के नागरिक संक्रामक बीमारियों की चपेट में आए हैं. नागरिकों के बाद अब मवेशियों को भी संक्रामक बीमारियों ने जकड़ रखा है. एक ओर तहसील में कोरोना के मरीज तेजी के साथ बढ़ रहे हैं. ऐसे में 36 हजार पशुधन लंपी स्किन डिसीज की चपेट में आने से पशु पालक चिंतित हैं. कोरोना के डर के साए में जी रहे नागरिकों को अब बुखार, टायफाइड, डेंगू जैसी संक्रामक बीमारियां सता रही हैं और उधर मवेशी लंपी नामक बीमारी से त्रस्त हैं, जिससे पशु पालकों में चिंता का माहौल व्याप्त है. इसकी दखल लेकर पशु वैद्यकीय विभाग द्वारा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है. तहसील के 13 पशु वैद्यकीय उपकेंद्रों में टीकाकरण का प्रबंध किए जाने की जानकारी तहसील पशु

13 केंद्रों पर टीकाकरण का प्रबंध

वैद्यकीय अधिकारी डॉ. आर.एच. देशमुख ने दी.

नागरिकों में फैल रहे कोरोना व मवेशियों में फैल रही लंपी स्किन डिसीज इन दोनों बीमारियों में काफी समानता है. कीड़े, गोचीड़, मक्खियां आदि से यह बीमारी फैलती है. इसलिए मनुष्य की तरह मवेशियों को भी क्वारंटाइन करना पड़ता है. मवेशियों के तबेले में कीटनाशक का छिड़काव व सैनिटाइज किया जाता है, क्योंकि लंपी संक्रामक बीमारी रहने से तुरंत अन्य मवेशियों में इसका संक्रमण फैलता है.

शुरू में मवेशियों के बदन पर छोटे-छोटे फोड़े आते हैं, जो आगे चलकर बड़े होते हैं.

जिससे मवेशियों के फेफड़े व लीवर प्रभावित होते हैं. साथ ही मवेशियों के नाक तथा आंखों से पानी बहकर खांसी होती है व बुखार आता है. इस बीमारी में मरने का प्रतिशत सिर्फ 1 है, लेकिन संक्रमण बहुत तेज होता है. ज्यादातर गाय, भैंस, भेड़-बकरियों में यह बीमारी ज्यादा दिखाई देती है.

तहसील में 36145 मवेशी हैं. उसमें 28223 गायें हैं. चांदूर बाजार, शिरजगांव कस्बा, करजगांव, तलवेल, घाटलाड़की, ब्राम्हणवाड़ा थड़ी, हिरुलपूर्णा, बेलोरा, कुरलपूर्णा, कुऱ्हा, तलेगांव, तोंडगांव व आसेगांव के पशु अस्पताल में टीकाकरण व इलाज का प्रबंध किया गया है. अब तक तहसील के 45 मवेशियों को इस बीमारी ने जकड़ा है. उसमें से 22 का समय पर इलाज होकर वह ठीक हो गए. 23 इलाजरत हैं. 100 मवेशियों का टीकाकरण किए जाने की जानकारी मिली है.

प्रतिबंधात्मक उपाय करें

इस बीमारी को रोकने के लिए मवेशियों में रोग प्रतिबंधात्मक शक्ति बढ़ाना आवश्यक है. उन्हें संतुलित आहार देना आवश्यक है. मवेशियों का तबेला स्वच्छ व सैनिटाइज करना जरुरी है. बाधित मवेशियों को अलग रखें, जिससे संक्रमण रोका जा सकता है. मवेशियों का टीकाकरण व समय पर इलाज करवाएं.

डॉ. आर.एच. देशमुख,
तहसील पशुधन विकास अधिकारी

मृतका को श्रद्धांजलि के तौर पर नाले का पुल निर्माण करें

संवाददाता,15 सितंबर

वरुड- तहसील के गणेशपुर-पुसला मार्ग स्थित पाटझाड़ी के नाले पर पुल की ऊंचाई बहुत कम रहने से ही पुसला की महिला चंदा धार्मिक बाढ़ के पानी में बहकर उसकी मौत हुई. इसलिए मृतक को श्रद्धांजलि के तौर पर प्रशासन ने इस नाले पर ऊंचा पुल निर्माण कर धार्मिक परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग पुसला के युवा नेता विजय सहित पुसला-गणेशपुर के नागरिकों ने की है.

प्रशासन से विजय श्रीराव की मांग

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुसला ग्रापं के कर्मचारी धार्मिक उनकी पत्नी व 2 बेटियों के साथ 13 सितंबर को रात में दुपहिया पर घर आते समय पाटा झाड़ियों की नाली से पुल के ऊपर तक पानी बह रहा था. इस पुल का मध्य भाग जमीन से 2-3 फिट ऊंचा रहने से बाढ़ के पानी का अंदाज नहीं आता. ऐसे में उनकी बाइक सीधे पानी में गई, चारों बाढ़ के पानी में गिर पड़े. इस समय चारों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर पानी से बाहर निकलने प्रयास किया लेकिन चंदा का हाथ छूट गया. वे पानी के प्रवाह में बह गईं. 3 घंटों की खोज करने के बाद मौके से 1 किमी दूर कपास के खेत में महिला की लाश मिली थी. अगर पुल की ऊंचाई ज्यादा होती तो यह घटना टल जाती, महिला की जान नहीं जाती. इसलिए मृतक को श्रद्धांजलि के तौर पर प्रशासन तुरंत ऊंचा पुल बनाए व धार्मिक परिवार को आर्थिक मदद करने की मांग पुसला के युवा नेता विजय श्रीराव सहित पुसला-गणेशपुर के लोगों ने की है.

बजट में मंजूरी : पिछले साल भी इस नाले में बड़ी बाढ़ आयी थी. जिसमें आसपास के किसानों की खेती खरड गई थी. गणेशपुर से आते समय नाले पर विजय श्रीराव भी फंस गए थे. उस प्रसंग का वीडियो उन्होंने लोनिवि को भेजा था.

यहां ऊंचा पुल बनाने की कार्यवाही कर उसे बजट में मंजूरी भी मिली है. इसलिए लोनिवि यहां तुरंत ऊंचा पुल बनाएं व अप्रिय घटना को टालें, ऐसी मांग विजय श्रीराव ने की है.

मेलघाट के गांवों में गेडी का धमाल

खेल का खेल और ऊपर से सुविधा

संवाददाता, 15 सितंबर

धारणी- मेलघाट में बारिश के कहर से गांवों में कच्ची सड़कें रहने से गली-गली में कीचड़ का आलम रहता है. सड़क पर गंदगी व कचरा फैलकर पैदल चलना मुश्किल हो जाता है. छोटे बच्चे घर से बाहर निकलकर खेल नहीं सकते. इस समस्या का समाधान मेलघाट के आदिवासियों ने निकालकर गेडी नामक खिलौना बनाया होगा.

कीचड़ तथा मिट्टी से सनी सड़कों पर से गुजरने के लिए आदिवासी घर में बैठकर बांस के टुकड़ों से बनाया गेडी यह एक अद्भुत वाहन व अजीब खिलौना है. जमीन से तीन फुट ऊंचाई पर से चलते समय छोटे बच्चे खेल खेलते है. गली में कितना भी कीचड़ क्यों न हो गेडी पर सवार होकर खेलने का मजा आदिवासी बच्चे लूटते रहते हैं. मेलघाट के सभी गांवों में गेडी पर सवार बच्चे दिखाई देते हैं. इंटरनेट के माध्यम से गेडी का यह खिलौना चहुंओर धूम मचा रहा है. गेडी एक खिलौना होने के साथ-साथ कीचड़ में चलते समय एक सुविधा भी है. लुका-छिपी, रेसटिप, लंगड़ी जैसे खेल भी गेडी के सहारे खेलकर बच्चे अपना मनोरंजन करते रहते हैं.

दर्यापुर तहसील में मेघ गर्जना के साथ तूफानी बारिश

संवाददाता, 15 सितंबर

दर्यापुर- बारिश का मौसम खत्म होने को आया, लेकिन बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है. गत एक माह से बारिश हो रही है. मंगलवार 15 सितंबर को दर्यापुर तहसील में सर्वत्र मेघ गर्जना के साथ एक घंटे तक तूफानी बारिश हुई. जिसने गत पांच वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है. बादलों की गड़गड़ाहट व बिजली की चकाचौंध में जोरदार बारिश होने लगी. दोपहर 1 बजे के दौरान गाज गिरने जैसी आवाज सुनने से सभी घबराकर घर से बाहर आ गए थे.

कहीं पर फसलों को संजीवनी तो कहीं तबाही

तहसील के नागरिक अनहोनी की आशंका से घबरा गए थे. दोपहर 1.15 से 2.15 बजे तक झमाझम बारिश हुई. बिजली की जोरदार कड़कड़ाहट के बीच झमाझम बारिश ने पूरे तहसील को धो डाला.

उमर खालिद के अमरावती कनेक्शन की जांच

संवाददाता, 15 सितंबर

चांदूर रेलवे- दिल्ली में दंगा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार उमर खालिद के अमरावती कनेक्शन की जांच करें. ऐसी मांग भाजपा जिलाध्यक्षा निवेदिता चौधरी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से की है. अमरावती के चांदनी चौक व चांदूर रेलवे में उसकी सभाएं हुई थीं. उसके साथ कांग्रेस नेताओं के संपर्क का संदेह निवेदिता चौधरी ने व्यक्त किया है.

... नहीं तो पालिका कार्यालय में फेंकेंगे कचरा

संवाददाता, 15 सितंबर

दर्यापुर- गत डेढ़ माह से शहर में जगह-जगह पर कचरे के ढेर पड़े दिखाई दे रहे थे. कोरोना जैसी महामारी के कहर पर काबू पाने के लिए सफाई का संदेश दिया जा रहा है. लेकिन शहर की पालिका प्रधानमंत्री के निर्देशों पर अमल नहीं कर रही है.

गत तीन माह से जारी बारिश के कारण कचरे के ढेर सड़कर बदबू आ रही है, जिससे बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है.

आगामी तीन दिनों में कचरा उठाकर सफाई नहीं की गई तो जिजाई प्रतिष्ठान की ओर से पड़ा हुआ कचरा उठाकर पालिका कार्यालय में फेंका जाएगा, ऐसी चेतावनी देने वाला ज्ञापन जिजाई प्रतिष्ठान ने

जिजाई प्रतिष्ठान ने दिया तीन दिन का अल्टीमेटम

मुख्याधिकारी गीता वंजारी के मार्फत कलेक्टर को भेजा है. ज्ञापन सौंपते समय विनय गावंडे, किरण होले, राहुल भुंबर, आकाश नारोलकर, सागर शेलके, निलेश सगणे, अक्षय होले, पवन वाकोड़े, सुधीर वानखड़े, मंगेश वडालकर उपस्थित थे. पालिका में चल रही राजनीति के कारण अभी तक कचरा उठाने के लिए ठेकेदार की नियुक्ति नहीं की गई है. शहरवासियों के स्वास्थ्य के साथ ऐसी लापरवाही नहीं बक्शी जाएगी.

वडूरा की 93 वर्षों की परंपरा खंडित

कोरोना से राजाराम महाराज पुण्यतिथि व महाप्रसाद रद्द

संवाददाता, 15 सितंबर

चांदूर बाजार- तहसील के ग्राम वडूरा में गत 93 वर्षों से चली आ रही राजाराम महाराज पुण्यतिथि महोत्सव व महाप्रसाद की परंपरा इस वर्ष कोरोना के कारण खंडित हुई है. वडूरा में राजाराम महाराज का वास्तव्य था. हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर अनेक कार्यक्रमों के साथ गांव व परिसर के भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया जाता है. इस वर्ष कोरोना वायरस के हाहाकार से सोमवार को पूजन हर वर्ष की तरह किया गया, लेकिन महाप्रसाद यानि भोजन का कार्यक्रम रद्द कर एक क्विंटल हलवा प्रसाद वितरित किया गया. कोरोना की रोकथाम के लिए लागू की गई प्रतिबंधात्मक उपाय योजना में धार्मिक कार्यक्रम में ज्यादा भीड़ न लगाने के निर्देश हैं. इस वर्ष

कोरोना के साए में पुण्यतिथि महोत्सव मनाया गया. मूलतः विश्रोली के रहने वाले राजाराम महाराज शिराला के महादेव मंदिर में रहते थे. वहां पर उन्होंने अनेक नागरिकों का जीवन सुखी करने में मदद की. वहां से महाराज वडूरा के महादेव मंदिर में आकर रहने लगे व वहां के नागरिकों की समस्याएं सुलझाई तथा गांवों पर आने वाले अनेक संकट दूर हुए. कुछ दिन बाद गांव के बाहर गुणवंत महाराज व बालू महाराज के मंदिर में उन्होंने स्थानांतरण किया. वहां पर उन्होंने संजीवन समाधि ली. तब से वडूरा में उनका पुण्यतिथि महोत्सव बर्सी के रूप में मनाया जाता है. 7 दिन तक अंबादास महाराज बोरखड़े के मुख से ज्ञानेश्वरी पठन, काकड़ा, हरिपाठ, काले का कीर्तन व संपूर्ण गांव में से पालकी की शोभायात्रा निकाली जाती है. गांव के सभी नागरिक व परिसर के भक्तों के लिए तीन क्विंटल कद्दू की सब्जी, 6 क्विंटल गेहूं की रोटियां, 2 क्विंटल चावल व 5 क्विंटल का हलवा बनाकर महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम रहता है. इस वर्ष पहली ही बार यह परंपरा खंडित होकर सिर्फ हलवे का महाप्रसाद वितरित किया गया.